अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

22 मई 2022

शुष्क वन अनुसन्धान संस्थान, जोधपुर द्वारा 22 मई को 2022को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया ।संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस वर्ष का थीम "**Building a Shared Future for All Life**" निर्धारित किया गया है । इस अवसर पर संस्थान के विस्तार विभाग द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) डॉ तरुणकान्त वैज्ञानिक-एफ. द्वारा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री उमाराम चौधरी (सेवानिवृत, भा.व.से.) द्वारा पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। श्रीमती अनीता, भा.व.से., विस्तार प्रभाग की प्रभागाध्यक्षा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए "अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस" कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया तथा डॉ तरुणकान्त वैज्ञानिक-एफ. द्वारा मुख्य अतिथि श्री उमाराम चौधरी को पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत किया गया ।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन मे कहा कि जैव विविधता मे न केवल पेड़ पौधे बल्कि समस्त जीव जंतु भी आते हैं तथा प्रत्येक का प्रकृति संतुलन मे अपना महत्व हैं। लगातार बढ़ रहे मानवीय हस्तक्षेप के चलते हमारे संसाधन एवं जैव विविधता मे तेजी से कमी हो रही है । कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ तरुणकान्त ने कहा कि विकास की अंधी दौड़ में हमारे वन्य जीव और पेड़ पोधों की कई प्रजातिया तेजी से लुप्त हो रही हैं। जिससे हमारा परिस्थितिकी तंत्र गड़बड़ा रहा हैं।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन विस्तार प्रभाग की प्रभागाध्यक्षा श्रीमती अनीता, भा.व.से द्वारा किया गया । कार्यक्रम में कोविड-19 की गाइडलाइन का पूर्ण रूप से पालन किया गया । इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी अधिकारी/वैज्ञानिक तकनीकी एवं मंत्रालयिक कर्मचारी एवं शोधार्थी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR
(INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH & EDUCATION)
BIODIVERSITY DAY 22 MAY
BUILDING A SHARED FUTURE FOR ALL LIFE
DR. TARUN KANT
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION

74
101
25
56
17

ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR
BIODIVERSITY DAY 22 MAY
BUILDING A SHARED FUTURE FOR ALL LIFE
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION

आफरी में जैव विविधता दिवस मनाया

जोधपुर, 22 मई (कासं)। जैव विविधता में न केवल पेड़-पौधे वरन् समस्त जीव जन्तु आते है तथा हर एक का प्रकृति में अपना महत्व है। यह उद्गार जैव विविधता दिवस पर शुष्क वन अनुसंधान संस्थान

(आफरी) में आयोजित समारोह में सेवानिवृत मुख्य वन संरक्षक उमाराम चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में व्यक्त किए। उन्होने बताया कि मानवीय हस्तक्षेप के चलते हमारे संसाधन एवं जैव विविधता मे तेजी से कमी हो रही है तथा इस हेतु हर एक को प्रयास करना जरूरी है। उमाराम जी ने जैव विविधता कानून के प्रावधानो को भी समझाया। आफरी निदेशक एमआर बालोच ने बताया कि कार्यक्रम में आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. तरूणकांत ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमारी संस्कृति में सभी को साथ लेकर चलने की बात सदियों पूर्व में ही कही है तथा आज विकास की अंधी दौड़ में हमारी प्रजातियाँ तेजी से लुप्त हो रही है जिससे हमारा पारिस्थितिकी तंत्र गड़बड़ रहा है। कार्यक्रम में आफरी की विस्तार प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष अनिता ने जैव विविधता दिवस एवं इसकी वर्तमान में उपयोगिता के बारे में बताया। संचालन अनिता ने किया। इस अवसर पर आफरी परिसर में अतिथियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया।

आफरी में जैव विविधता दिवस मनाया

दैनिक पर्यटन बाजार

जोधपुर । जैव विविधता में न केवल पेड़-पौधे वरन् समस्त जीव जन्तु आते है तथा हर एक का प्रकृति में अपना महत्व है यह उद्गार जैव विविधता दिवस पर शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर में आयोजित समारोह में सेवानिवृत मुख्य वन संरक्षक उमाराम चैधरी भा.व.से. ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में व्यक्त किए। उन्होने बताया कि मानवीय हस्तक्षेप के चलते हमारे संसाधन एवं जैव विविधता मे तेजी से कमी हो रही है तथा इस हेतु हर एक को प्रयास करना जरूरी है। उमाराम जी ने जैव विविधता कानून के प्रावधानो को भी समझाया। आफरी निदेशक एम. आर. बालोच भा.व.से. ने बताया कि कार्यक्रम में आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. तरूणकांत ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमारी संस्कृति में सभी को साथ लेकर चलने की बात सदियों पूर्व में ही कही है तथा विकास की अंधी दौड़ में हमारी प्रजातियॉ तेजी से लुप्त हो रही है जिससे हमारा पारिस्थितिकी तंत्र गड़बड़ रहा है। डॉ. तरूण कांत ने बताया कि गुगल जो ने केवल कोलेस्ट्रॉल कम करता है वरन् कैसर रोकने में भी सहायक है आज लुप्त प्रायः प्रजातियों में आ गया है तथा ऐसी अनेक प्रजातियों के संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयास आवश्यक है। उन्होने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री के अनुसार 26 मिलियन हैक्टैयर अपक्षरित भूमि को 2030 तक भारत में पुनः उपयोगी बनाना है जिससे 2.5 से 3 मिलियन टन अतिरिक्त कार्बन डाई ऑक्साईड का सीक्वेस्टेशन होगा तथा वानिकी एंव कृषि वानिकी के सम्मिलित उपयोग से वन एवं परिदृश्य बहाली करने हेतु कार्य करने की महत्ती आवश्यकता है। कार्यक्रम में आफरी के विस्तार प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष अनिता भा.व.से. ने जैव विविधता दिवस एवं इसकी वर्तमान में उपयोगिता के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन अनिता भा.व.से ने किया। इस अवसर पर आफरी परिसर में अतिथियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया।